षष्ठम विधानसभा के चतुर्थ सत्र के समापन अवसर पर माननीय विधानसभा अध्यक्ष महोदय का उद्‌बोधन.

शुक्रवार, 20 दिसम्बर, 2024

छत्तीसगढ़ विधानसभा के षष्ठम विधानसभा के चतुर्थ सत्र का आज अंतिम कार्य दिवस है, यह सत्र 16 दिसंबर से 20 दिसंबर, 2024 के मध्य आहूत रहा, कुल पांच दिवसीय सत्र में चार बैठके सम्पन्न हुईं । सर्वप्रथम सफलतापूर्वक सत्र संपन्न होने के अवसर पर मैं अपनी ओर से माननीय मुख्यमंत्री जी, माननीय नेता प्रतिपक्ष जी, माननीय संसदीय कार्यमंत्री जी, पक्ष–प्रतिपक्ष के सभी माननीय सदस्यगणों को धन्यवाद देता हूं कि आपने सदन के सुव्यवस्थित संचालन में मुझे अपना अधिकतम सहयोग प्रदान किया।

छत्तीसगढ़ विधानसभा की स्थापना का यह रजत जयंती वर्ष है, मुझे इस बात की हार्दिक प्रसन्नता है कि छत्तीसगढ़ विधानसभा की वर्तमान षष्ठम विधानसभा अपने अतीत में स्थापित संसदीय मूल्यों को निरंतर मजबूती देने का प्रयास कर रही है, और इस कार्य में आप सभी की सहभागिता प्रशंसनीय है । मुझे यह पूर्ण विश्वास है कि आप सभी का संसदीय आचरण और व्यवहार ही लोकतंत्र के इस पावन मंदिर की गरिमा को संवर्धित करने का सशक्त माध्यम सिद्ध होगा । लोक कल्याण के प्रति एक जन्‌प्रतिनिधि का जो दायित्व होता है उसकी पूर्ति करने हेतु आपका कृत संकल्पित होना इस बात का प्रमाण है कि आप जनता के प्रतिनिधि के रूप में पूरी निष्ठा के साथ कार्य कर रहे हैं। हमारे लिए यह उपलब्धि है कि इस शीतकालीन सत्र में राज्य के विकास से जुड़े प्रत्येक महत्वपूर्ण विषयों पर आप सभी ने व्यापक, विस्तृत और परिणाम मूलक चर्चा की है। इसका प्रभाव भविष्य में अवश्य रूप से छत्तीसगढ़ के विकास में परिलक्षित होगा। आपने इस सत्र में राज्य के विकास से जुड़े प्रत्येक ज्वलंत विषयों पर विचार किया और निष्कर्ष तक पहुंचे। आपके इस प्रयास की मैं प्रशंसा करता हूँ।

मुझे इस बात की हार्दिक प्रसन्नता और संतोष है कि छत्तीसगढ़ विधानसभा का यह सदन संसदीय परम्पराओं और प्रक्रियाओं के पालन में उत्तरोत्तर अग्रसर है। पक्ष–प्रतिपक्ष के सभी माननीय सदस्यगण अपनी राजनैतिक प्रतिबद्धताओं से ऊपर उठकर छत्तीसगढ़ के हित के लिए एक नजर आए। मैं समझता हूँ कि आपकी यही भावना ही संसदीय लोकतन्त्र का सबसे उज्जवल पक्ष है। राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य में जब संसदीय लोकतन्त्र अपनी श्रेष्ठता के लिए संघर्ष करते नजर आ रहा है, ऐसे चुनौतीपूर्ण वातावरण के मध्य हमारी विधानसभा का यह उत्कृष्ट संसदीय प्रदर्शन निश्चित तौर पर हमें गौरव की अनुभूति देता है। इस सदन की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां माननीय सदस्यगणों के मध्य वैचारिक मतभेद, विचारधारा का अन्तर भले ही है पर मनभेद नहीं है। मैं समझता हूँ कि आप सदस्यगणों की यह विशेषता आपके श्रेष्ठ संसदीय संस्कारों को परिभाषित करती है।

इस सत्र में माननीय श्री सुनील सोनी जी सभा के नए सदस्य के रूप में सदन की कार्यवाही में शामिल हुए। वहीं दिनांक 17 दिसम्बर को विधानसभा स्थापना की रजत जयंती वर्ष पर छत्तीसगढ़ विधानसभा की संसदीय यात्रा पर केन्द्रित फोटो

प्रदर्शनी का शुभारम्भ हुआ। हमारे लिए यही उपलब्धि है कि षष्ठ्म विधानसभा के इस चतुर्थ सत्र में प्रश्नकाल, ध्यानाकर्षण, स्थगन सहित महत्वपूर्ण विधेयकों का पारण और अनुपूरक बजट जैसे महत्वपूर्ण कार्य सम्पादित हुए।

अब मैं आपको इस शीतकालीन सत्र में सम्पादित हुए संसदीय कार्यों का संक्षेप में सांख्यिकी आंकड़ों से अवगत कराना चाहूँगा। इस सत्र की कुल 4 बैठकों में लगभग 21 घंटे चर्चा हुई है। इस सत्र में तारांकित प्रश्नों की 420 एवं अतारांकित प्रश्नों की 394 इस प्रकार कुल 814 प्रश्नों की सूचनाएँ प्राप्त हुईं जिसमें से 21 प्रश्नों पर सभा में अनुपूरक प्रश्न पूछे गये। ध्यानाकर्षण की कुल 288 सूचनाएं प्राप्त हुई, जिनमें से 85 सूचनाएं ग्राह्य हुईं और 8 सूचनाएं शून्यकाल सूचना में परिवर्तित की गई। स्थगन की कुल 135. सूचनाएं प्राप्त हुई, जिसमें से 1 सूचना की ग्राह्यता पर चर्चा कराई गई। इस सत्र में माननीय सदस्यगणों द्वारा 182 याचिकायें प्रस्तुत की गई, जिनमें से 56 याचिकायें ग्राह्य, 65 याचिका अग्राह्य एवं 61 याचिकायें विचाराधीन हैं । इस सत्र में विनियोग विधेयक सहित 7 विधेयकों की सूचना प्राप्त हुई और सभी चर्चा उपरान्त पारित हुए। इसके साथ ही अशासकीय संकल्पों की 12 सूचनायें प्राप्त हुईं जिनमें से कुल ग्राह्य 9 सूचनाओं में से 2 सूचनायों पर सभा में चर्चा हुई ।

वित्तीय कार्यों के अंतर्गत अनुपूरक अनुमान पर लगभग 5 घंटे 52 मिनट चर्चा हुई। प्रदेश की सबसे बड़ी पंचायत विधानसभा के कार्यकरण से राज्य की आम जनता को अवगत कराने के उद्देश्य से सदन की कार्यवाही के अवलोकन हेतु आम नागरिकों को अवसर दिया जाता है। इस तारतम्य में विभिन्न शासकीय/अशासकीय संस्थाओं, जनप्रतिनिधि संस्थाओं के लगभग 4640 लोगों एवं छात्र–छात्राओं ने इस सत्र में सदन की कार्यवाही का प्रत्यक्ष अवलोकन किया ।

मैं इस अवसर पर सभापति तालिका के माननीय सदस्यों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करता हूं, जिन्होंने सभा के संचालन में मुझे सहयोग प्रदान किया। मैं सम्माननीय पत्रकार साथियों तथा प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने सदन की कार्यवाही को बड़ी गंभीरता से प्रचार माध्यमों में प्रमुखता से स्थान देकर प्रदेश की जनता को सम्पादित कार्यवाही से अवगत कराया।

इस सत्र के समापन अवसर पर राज्य शासन के मुख्य सचिव सहित समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देता हूँ। सुरक्षा व्यवस्था में संलग्न अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी बधाई देता हूँ जिन्होंने सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था इस सत्र के दौरान कायम रखी। मैं विधानसभा के सचिव सहित सचिवालय के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भी प्रशंसा करता हूं, जिन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण कुशलता एवं निष्ठा के साथ किया। परम्परा अनुसार सत्र समापन अवसर पर आगामी सत्रों की सम्भावित तिथि घोषित की जाती है तद्नुसार आगामी सत्र जो बजट सत्र भी होगा उसकी तिथि फरवरी 2025 में सम्भावित है। आने वाले अंग्रेजी नववर्ष की आप सभी को मैं शुभकामनाएं देता हूँ और इस सदन के माध्यम से नूतन वर्ष पर प्रदेशवासियों के मंगलमय जीवन की कामना करता हूँ।

जय हिन्द, जय भारत, जय छत्तीसगढ़.